M. P. BIRLA FOUNDATION HIGHER SECONDARY SCHOOL
SELECTION EXAMINATION 2020-21
CLASS – XII
SUBJECT – HINDI

FULL MARKS -80

TIME – 3 hrs.

SECTION A

प्रश्न 1.किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए जो लगभग 400 शब्दों से कम न हो - 15

i. 'जहाँ विनय काम नहीं आती वहाँ युद्ध अनिवार्य है' - पक्ष अथवा विपक्ष में अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

ii. 'जो व्यक्ति अपनी आकांक्षा का तीर जितना ऊँचा चलाता है वह उतना ही सफल होता है।' इस कथन की पुष्टि कीजिए।

iii. महामारी जैसी आपदाओं का सामना किस तरह करना चाहिए? अपना सुझाव देते हुए बताइए कि आपने महामारी पीड़ितों की सहायता कैसे की?

iv. 'युवा वर्ग की बदलती हुई मानसिकता' - इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

v.एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका अंत इस वाक्य से हो- 'सुन्दरता रूप-रंग से परे होती ' है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर, अन्त में दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए - 5x3

मनुष्य सुखाभिलाषी प्राणी है। सुख व आनन्द प्राप्त करने के लिए वह कर्म करता है। यद्यपि इस कार्य में परिश्रम और कष्ट तो करना पड़ता है, तो भी परिणति आनन्द में होती है। मनुष्य धन कमाता है, उससे जरूरत की चीज़ों के अतिरिक्त ऐश्वर्य और विलास की वस्तुयें खरीदता है। किसलिए? आनन्द पाने के लिए। आनन्द के बिना मानव का जीवन शून्य है। किसी काम को करने का आनन्द तभी मिलता है जब वह स्वेच्छा से किया गया हो। एक प्रसन्नचित्त व्यक्ति अपने आसपास के वातावरण को कभी नीरस नहीं होने देता। मानव के स्वभाव का असर दूसरे व्यक्तियों पर पड़े बिना नहीं रहता।

सुख व आनन्द प्राप्ति के अनेक साधन हैं। अपनी-अपनी रुचि के अनुसार भी अलग-अलग व्यक्तियों को अलग-अलग विषयों और वस्तुओं में सुखानुभूति प्राप्त होती है। किसी को खेलने में, किसी को पढ़ने में, किसी को सैर करने या गपशप करने में, किसी को भोजन बनाने में, किसी को धार्मिक काम करने तथा साधु-संतों को तो संसार से विरक्त होकर ईश्वर-चिन्तन में सुख प्राप्त होता है।

आनन्द प्राप्ति के अनेक साधन हैं परन्तु उन सब में प्रमुख स्थान है- सद्ग्रन्थों और सत्साहित्य का अध्ययन। साहित्य का अध्ययन एक ऐसा व्यसन है, जो व्यक्ति का मनोरंजन करने के साथ-साथ उसे ज्ञानी और बुद्धिमान बनाता है। उसके लिए मित्रमंडली हो या विद्वत् समाज अपने अध्ययन के बल पर सभी से उत्तम बातें करने के लिए मसाला देता है। कभी उसे ऐसा अनुभव नहीं होता है कि उसके पास कुछ कहने या करने को नहीं है। स्वाध्याय उसे चिन्तन और मनन की प्रेरणा देता है। साथ ही रस और आनन्द प्रदान करता है।

प्रश्न i. मनुष्य कर्म क्यों करता है?

प्रश्न ii. स्वेच्छा से किये गये कार्य में प्रसन्नता क्यों मिलती है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न iii. सुख और आनन्द प्राप्ति के कौन-कौन से साधन है? स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न iv सुख और आनन्द प्राप्ति का प्रमुख साधन कौन सा है? इससे हमें क्या लाभ मिलता है?
प्रश्न v. प्रस्तुत अवतरण से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

प्रश्न 3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए - 5

i. आपके घर में कौन कौन रहता है।
ii. साबुन का विग्यापन अच्छा था।
iii. छोटी सी बात को लेकर तिल का पहाड़ मत बनाओ।
iv. वह गुणवान महिला है।
v. गीता सबसे श्रेष्ठतम ग्रंथ है।

प्रश्न 4. निम्नलिखित मुहावरों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए - 5

i. आँखें चुराना
ii. चैन की बंसी बजाना
iii. कान खड़े करना
iv. बाजी मार ले जाना
v. रंग उड़ना

SECTION B

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक पुस्तक में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। 4x10

गद्य संकलन

प्रश्न 1. "काम तो तुम्हारा बहुत बुरा है।" क्या करूँ पेट के लिए करना पड़ता है।

i. किसका कौन सा काम बुरा है? 1
ii. वह किसके शरण में आया था और क्यों? 2
iii. वक्ता अन्त में अपनी प्रतिज्ञा का पालन किस प्रकार करता है? 2
iv. आश्रयदाता का संक्षिप्त चरित्र-चित्रण कीजिए। 5

प्रश्न 2. 'क्या निराश हुआ जाए? ' नामक निबन्ध के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए। 10

प्रश्न 3. "किसी के क्षणिक आडंबर या व्यवहार पर आँखें मूँदकर विश्वास कर लेना घातक सिद्ध हो सकता है।" 'सती' शीर्षक कहानी के प्रसंग में इस कथन की व्याख्या कीजिए। 10

काव्य मंजरी

प्रश्न 4. सुनहु कान्ह बलभद्र चबाई, जनमत ही को धूत ।
सूर स्याम मोहि गोधन की सौं, हौं माता तू पूत ।।

प्रश्न i. बलभद्र किसे कहा गया है? 1

ii. कौन, किसकी और क्या शिकायत करता है? 2

iii. सौगंध कौन खा रही हैं और क्यों? 2

iv. सूरदासजी ने माता-पुत्र में विश्वास बढ़ाने के लिए क्या तर्क दिया है? प्रस्तुत पद के आधार पर कवि की भक्ति भावना का उल्लेख कीजिए। 5

प्रश्न 5. 'नदी के द्वीप' शीर्षक कविता में कवि ने व्यक्ति, समाज और परम्परा के पारस्परिक संबंधों को सर्वथा नवीन दृष्टि से देखा है। इस कथन की व्याख्या कीजिए। 10

प्रश्न 6. कवि ने 'उद्यमी नर' शीर्षक कविता में भाग्यवाद की अपेक्षा कर्मवाद को महत्त्व दिया है। इस कथन की समीक्षा कीजिए। 10

सारा आकाश

प्रश्न 7. "मुझसे तो नहीं होता जिठानीजी, कोई दुत्कारता रहे और पूँछ हिलाते रहो, ठोकर मारता रहे और तलुए चाटते रहो। उनके बोर्ड के इम्तिहान है, मैं क्यों तंग करूँ?"

i. जिठानीजी कौन है? 1

ii. वक्ता का नाम लिखते हुए बताइए कि उसके चरित्र की कौन सी विशेषता यहाँ प्रकट हुई है? 2

iii वक्ता का समर के प्रति क्या विचार है? 2

iv उक्त कथन के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि प्रभा और समर के बीच सामंजस्य का अभाव है। 5

प्रश्न 8. स्पष्ट कीजिए कि सारा आकाश उपन्यास में नारी उत्पीड़न की कथा का सजीव चित्रण हुआ है। 10

प्रश्न 9. 'सारा आकाश' उपन्यास के आधार पर शिरीष भाईसाहब का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10

.....